होली आई, होली आई

होली आई, होली आई
देखो तो यह क्या-क्या लाई ?
खेतों में लाई है सोना,
चमक उठा उनका हर कोना ।
सरसों फूली, गेहूँ लहका,
अमराई का आँगन महका ।।

हवा नई होकर लहराई,
होली आई, होली आई,
कोयल कुहकी, गूँजे भौंरे,
पत्ते झूमे चिकने कौरे ।
फूल गया टेसू जंगल में,
डूब गई दुनिया मंगल में ।।

सूरज चंदा सब सुखदाई,
होली आई, होली आई,
इस आँगन में मंजीरे खनके,
उस आँगन में नूपुर रनके ।
ढोलक ठनकी राह-राह में,
बालक, बूढ़े सब उछाह में ।।

गली-गली में ''फागें'' गाईं,
होली आई, होली आई,
जली ''होलिका'' चौराहों पर
लोग मिल रहे हैं राहों पर ।
जहाँ देखिए वहीं प्यार है,
रंग और रस की बहार है ।।

नाचो, गाओ, झूमो भाई,
होली आई, होली आई ।।

भवानी प्रसाद मिश्र

शिक्षक के लिए

शिक्षक छात्रों को विभिन्न त्योहारों और उनमें होने वाले क्रिया-कलापों के बारे में जानकारियाँ देंगे

शिक्षक छात्रों को हिरण्यकशिपु, होलिका और प्रहलाद संबंधी पौराणिक कथाएँ सुनाएँगे।

शब्दार्थ :

शब्द		अर्थ
चिकने	–	कोमल
फूली	–	खिल गयी
अमराई	–	आम का बाग
कौरे	–	नए
टेसू	–	पलाश
सुखदाई	–	सुख देनेवाले
मंजीरा	–	एक प्रकार का वाद्य यन्त्र
खनक	–	शब्द
नूपुर	–	पायल, घुँघरू
रनकना	–	पायल का बजना
राह	–	रास्ता
उछाह	–	उत्साह
होलिका	–	प्रह्लाद की बुआ
फाग	–	होली पर्व के समय गाया जाने वाला गीत

अनुशीलनी

१. **निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर बताइए :**

(i) होली खेतों में क्या ले आती है ?

(ii) होली के समय किसका आँगन महकता है ?

(iii) इस समय दुनिया किसमें डूब जाती है ?

(iv) होली के समय गली-गली में क्या गाया जाता है ?

(v) होली के समय किनके मन में उत्साह भर जाता है ?

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(i) होली के समय कौन–कौन–सी फसलें उगायी जाती हैं ?

(ii) होली आने पर खेतों की शोभा कैसी होती है ?

(iii) दुनिया मंगल में कैसे डूब जाती है ?

(iv) होली आने पर कोयल और भौंरे क्या करते हैं ?

(v) होली के दिन लोग क्या करते हैं ?

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक वाक्य में दीजिए :

(i) इस समय कौन सुखदायी होता है ?

(ii) इस समय आँगन में क्या–क्या होता है ?

(iii) फागें कब गायी जाती हैं ?

(iv) होली में चौराहों पर क्या जलती है ?

(v) इस समय किसकी बहार आती है ?

प्रश्न ४. कविता पढ़कर रिक्त स्थानों को भरिए :

(i) खेतों में........ सोना ।

(ii) सरसों ...., गेहूँ .... ।

(iii) अमराई का आँगन .... ।

(iv) .... टेसू जंगल में ।

(v) जहाँ देखिए वहीं .... है ।

(vi) ...., ..., ... भाई ।

प्रश्न ५. आओ जानें उस ऋतु का नाम क्या है ?

जिसमें कोयल कुहकती है ? ....

जिसमें बादल गरजते हैं ? ....

जिसमें ठंड लगती है ? ....

जिसमें लू चलती है ? ....

जिसमें रंग खेलते हैं ? ....

जिसमें चारों ओर हरियाली छा जाती है ? ....

भाषा–कार्य :

प्रश्न ६. आओ सीखें और लिखें

जैसे हवा का चलना, कोयल का कुहकना, सरसों का फूलना

पानी का ...., कुत्ते का ...., गेहूँ का ....

बादल का ...., गाय का ...., पत्तों का ....

बिजली का ....,शेर का ...., टेसू का ....

जैसे–मंजीरे का खनकना

वैसे–नूपुर का ....

ढोलक का ....

प्रश्न ७. समझें और लिखें

जैसे–खेतों में लाई है सोना – खेत में सोना लाई है ।

वैसे–पत्ते झूमे चिकने कौरे – ....

फूल गया टेसू जंगल में – ....

गूँजे भौंरे – ....

डूब गई दुनिया मंगल में – ....

ढोलक ठनकी राह–राह में –

इन वाक्यों को देखिए :

हर कोना चमक उठा ।

गेहूँ लहका ।

आँगन महका ।

पत्ते झूमे ।

टेसू फूल गया ।

रेखांकित शब्द पुंलिंग में हैं । इसलिए इनकी क्रियाएँ पुंलिंग में हैं ।

इन वाक्यों को देखिए :

होली आयी ।

सरसों फूली ।

हवा लहरायी ।

कोयल कुहकी ।

ढोलक ठनकी ।

D$na H$s gkmE स्त्री लिंग में हैं । इसलिए इनकी क्रियाएँ स्त्री लिंग में हैं ।

प्रश्न ८. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं । उनका लिंग पहचान कर उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

खेत, भौंरा, पत्ता, दुनिया, सूरज, चंदा, मंजीरा

आप के लिए काम :

ऋतुओं से संबंधित कुछ कविताएँ अपने साथियों को सुनाइए ।

बच्चों के रंग के खेल का एक चित्र बनाइए।